

महादेव टोपपो साहित्य अकादमी के COLIT सदस्य बने

चर्चा में क्यों?

- 6 सितंबर, 2023 को झारखंड के प्रख्यात साहित्यकार महादेव टोपपो को साहित्य अकादमी के सेंटर फॉर ओरल एंड ट्राइबल लिटरेचर (सीओटी लटि) का बोर्ड मेंबर नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बटु

- झारखंड के प्रख्यात साहित्यकार महादेव टोपपो का जन्म रांची ज़िले के हुलसी गांव में वर्ष 1954 में एक कुडूख आदिवासी परिवार में हुआ था।
- महादेव टोपपो स्नातकोत्तर की शिक्षा ग्रहण करने के साथ वर्ष 1994 में पुणे स्थित फ़िल्म एप्रेशन सर्टिफ़िकेट कोर्स भी किया।
- उनकी प्रमुख रचनाएँ हिन्दी के पत्र-पत्रिकाओं में धर्मयुग, परकिथा, नया ज्ञानोदय, वागर्थ सबलोग, समयांतर, इंडिया टुडे, समकालीन जनमत, वशिव-रंग, बनास जन, जनसत्ता, प्रभात खबर आदि में प्रकाशित हुईं। इन रचनाओं में लेख, टपिपणी, कहानी, कविताएं आदि शामिल हैं।
- उनकी प्रमुख रचनाओं में 'जंगल पहाड़ के पाठ (कविता संग्रह)', 'सभ्यों के बीच आदिवासी (लेख संग्रह)' तथा कविता-संग्रह 'जंगल पहाड़ के पाठ', का अंगरेजी, मराठी और संताली में अनुवाद आदि शामिल है। उनकी कुछ कविताओं का जर्मनी, अंगरेजी, मराठी, तेलुगू, संस्कृत, संताली, असमिया में भी प्रकाशन किया गया।
- उन्होंने कुडूख फ़िल्म 'पहाड़ा' तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित 'एडपा काना (गोइंग होम)' में अभिनय भी किया है। उन्होंने अपनी मातृभाषा कुडूख में लघु-नाटक की रचना भी की है।
- महादेव टोपपो को बरिसा मुंडा पुरस्कार समेत अनेक अनेक सम्मान प्रदान किये गए हैं।
- फलिहाल, वे झारखंड की राजधानी राँची में रहते हुए भाषा, साहित्य, कला, संस्कृति तथा मातृभाषा कुडूख के विकास के लिये कार्य कर रहे हैं।

